



Dhruv



Ritika

Model: Love-Horoscope

Order No: 121265101

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
26/03/2001 :	जन्म तिथि	: 04/06/2001
सोमवार :	दिन	: सोमवार
घंटे 14:46:00 :	जन्म समय	: 10:30:00 घंटे
घटी 21:08:35 :	जन्म समय(घटी)	: 12:46:50 घटी
India :	देश	: India
Delhi :	स्थान	: Delhi
28:39:00 उत्तर :	अक्षांश	: 28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08 :	स्थानिक संस्कार	: -00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:18:33 :	सूर्योदय	: 05:23:16
18:35:35 :	सूर्यास्त	: 19:15:48
23:52:10 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:52:19
कर्क :	लग्न	: कर्क
चन्द्र :	लग्न लग्नाधिपति	: चन्द्र
मीन :	राशि	: तुला
गुरु :	राशि-स्वामी	: शुक्र
रेवती :	नक्षत्र	: विशाखा
बुध :	नक्षत्र स्वामी	: गुरु
4 :	चरण	: 3
ऐन्द्र :	योग	: शिव
बालव :	करण	: गर
ची-चिराग :	जन्म नामाक्षर	: ते-तेजिका
मेष :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मिथुन
विप्र :	वर्ण	: शूद्र
जलचर :	वश्य	: मानव
गज :	योनि	: व्याघ्र
देव :	गण	: राक्षस
अन्त्य :	नाड़ी	: अन्त्य
सिंह :	वर्ग	: सर्प

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी बुध 3वर्ष 5मा 3दि शुक्र	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी गुरु 7वर्ष 1मा 18दि शनि
30/08/2011	22:42:41	कर्क	लग्न	कर्क	26:49:53	22/07/2008
30/08/2031	11:54:27	मीन	सूर्य	वृष	19:46:35	23/07/2027
शुक्र 29/12/2014	27:18:42	मीन	चंद्र	तुला	27:23:21	शनि 26/07/2011
सूर्य 30/12/2015	24:40:15	वृश्चि	मंगलव	धनु	01:46:27	बुध 04/04/2014
चन्द्र 29/08/2017	18:32:57	कुंभ	बुध	मिथु	06:05:32	केतु 14/05/2015
मंगल 29/10/2018	12:47:21	वृष	गुरु	वृष	27:15:47	शुक्र 14/07/2018
राहु 29/10/2021	18:00:46	मीन व	शुक्र	मेष	04:02:34	सूर्य 26/06/2019
गुरु 29/06/2024	03:21:16	वृष	शनि	वृष	11:44:26	चन्द्र 24/01/2021
शनि 30/08/2027	17:26:59	मिथु व	राहु व	मिथु	12:34:24	मंगल 05/03/2022
बुध 30/06/2030	17:26:59	धनु व	केतु व	धनु	12:34:24	राहु 09/01/2025
केतु 30/08/2031	29:22:20	मक	हर्ष व	कुंभ	00:57:11	गुरु 23/07/2027
	14:20:59	मक	नेप व	मक	14:45:01	
	21:23:25	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	20:03:27	

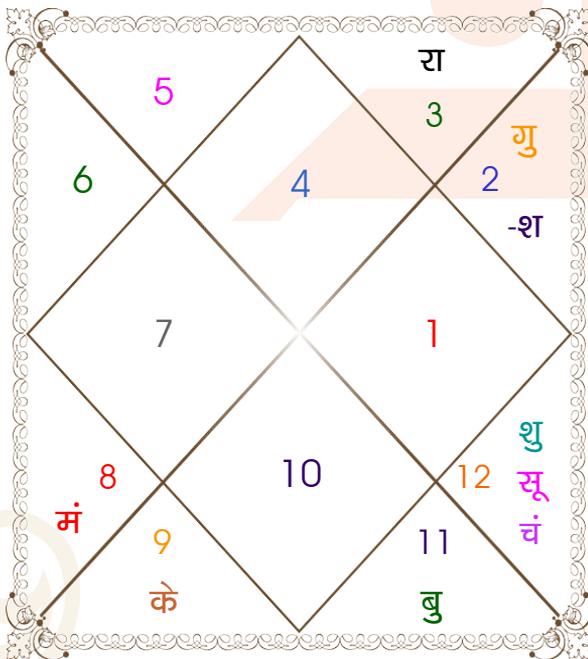
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

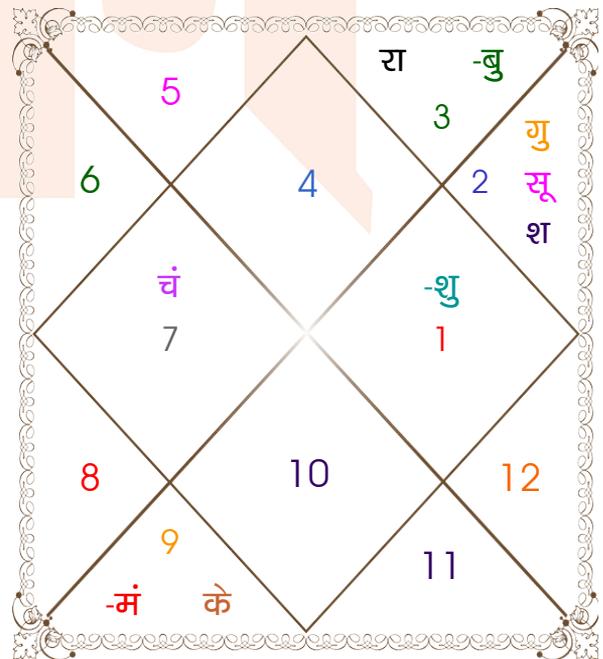
राहु : स्पष्ट

23:52:10 चित्रपक्षीय अयनांश 23:52:19

लग्न-चलित



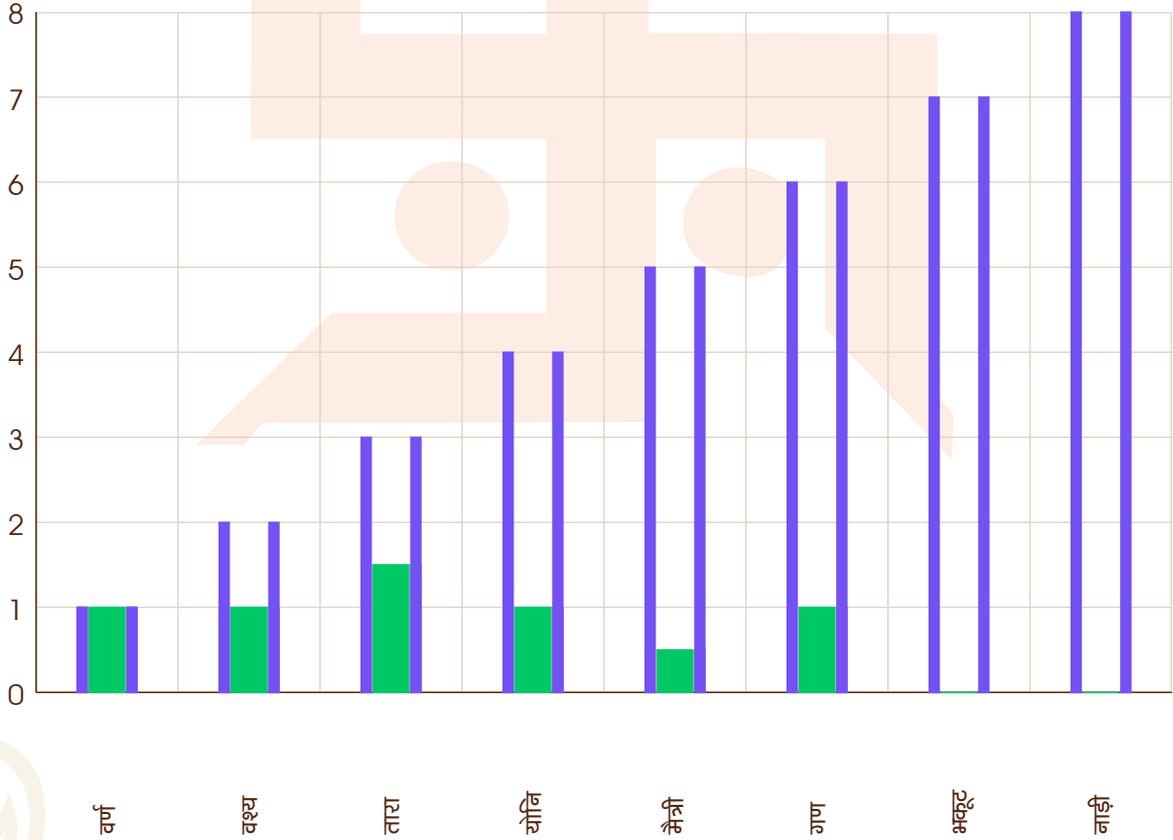
लग्न-चलित



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाडी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	6.00		

कुल : 6 / 36



अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।
नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।
नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि कीतनअ का नक्षत्र रेवती है।
कीतनअ का वर्ग सिंह है तथा Ritika का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।
अष्टकूट मिलान के अनुसार कीतनअ और Ritika का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

कीतनअ मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।
Ritika मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।
कीतनअ तथा Ritika में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

कीतनअ का वर्ण ब्राह्मण तथा Ritika का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। Ritika सभी को मान एवं प्रतिष्ठा देती है तथा सेवा करती रहेगी। साथ ही वह सबकी अपेक्षाओं को पूरा करती रहेगी तथा किसी के भी साथ तर्क-वितर्क नहीं करेगी। Ritika एक नर्स की भाँति अपने पति एवं बच्चों की सेवा एवं तिमारदारी करती रहेगी।

वश्य

कीतनअ का वश्य जलचर है एवं Ritika का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है। जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जलचर कभी भी मनुष्य के ऊपर नियंत्रण स्थापित नहीं कर सकता। इसके विपरीत, मनुष्य या तो जलचरों पर नियंत्रण कर लेता है अथवा उसे समाप्त कर देता है अथवा उसका भक्षण कर लेता है अथवा उससे दूर भागता है। अतः यदि इन दोनों बीच विवाह सम्पन्न होता है तो यह अनुकूल नहीं रहेगा। इस स्थिति में Ritika अति हावी होती रहेगी तथा हमेशा अपने पति को गुलाम समझती रहेगी तथा चाहेगी कि कीतनअ उसकी आज्ञा का पालन करे। इससे घर की शांति भंग होगी तथा प्रगति एवं समृद्धि पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

तारा

कीतनअ की तारा विपत तथा Ritika की तारा मित्र है। कीतनअ की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। कीतनअ एवं कीतनअ के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि Ritika हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर Ritika को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

योनि

कीतनअ की योनि गज है तथा Ritika की योनि व्याघ्र है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग-अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी-कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुँच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि

होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में वीतनअ का राशि स्वामी Ritika के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि Ritika का राशि स्वामी वीतनअ के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

वीतनअ का गण देव तथा Ritika का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसी परिस्थिति में Ritika निर्दयी, निष्ठुर एवं क्रूर स्वभाव की हो सकती हैं जो वर, उसके बच्चों तथा परिवार के सदस्यों के लिए बुरा एवं घातक साबित हो सकता है। ऐसी पत्नी से अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अपने पति, परिवार अथवा सामाजिक दायित्वों का अच्छी प्रकार से निर्वहन करेंगी। Ritika की अक्सर दूसरों से लड़ाई-झगड़ा करना एवं लोगों को उकसाना इसी प्रकार की आदत होगी।

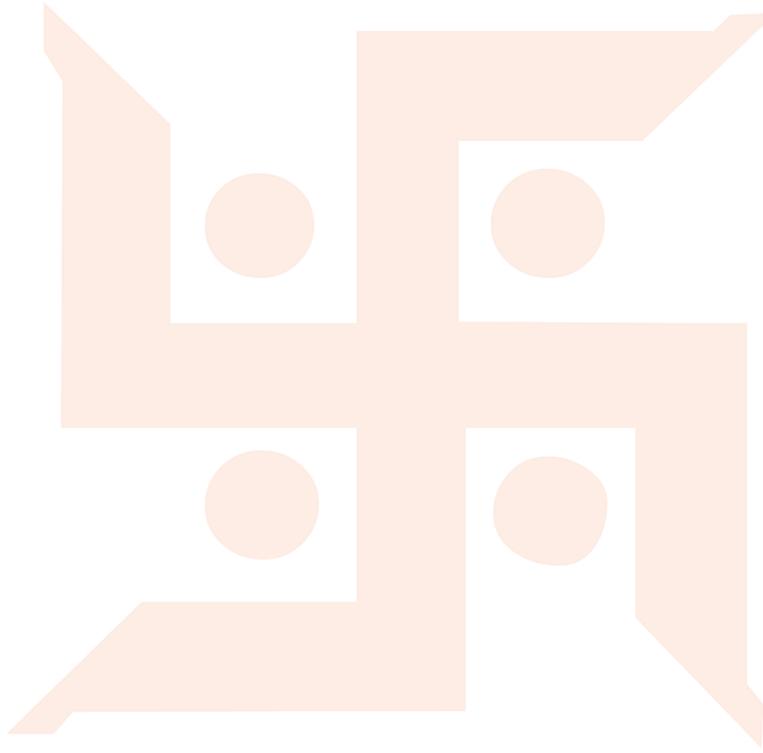
भकूट

वीतनअ से Ritika की राशि अष्टम भाव में स्थित है तथा Ritika से वीतनअ की राशि षष्ठम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। इस मिलान को भकूट मिलान में स्वीकृति नहीं प्रदान की जाती है तथा 0 अंक/गुण प्रदान किए जाते हैं। वीतनअ एवं Ritika दोनों आक्रामक, गुस्सैल एवं झगड़ालू स्वभाव के होंगे। वीतनअ शारीरिक रूप से कमजोर हो सकते हैं, उनके अनेक शत्रु हो सकते हैं तथा अपने व्यवसाय में भी उन्हें जूझना पड़ सकता है। दूसरी ओर Ritika बिल्कुल लापरवाह, कोई भी कर्तव्य एवं जिम्मेदारी नहीं निभाने वाली, हरदम स्वयं के स्वार्थपूर्ति में ही खोई रहने वाली होंगी। उन्हें किसी भी प्रकार का वैवाहिक सुख प्राप्त नहीं हो पायेगा तथा उनके पति की मृत्यु की भी संभावना बनी रहेगी।

नाड़ी

वीतनअ की नाड़ी अन्त्य है तथा Ritika की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात् यह मिलान अच्छा

मिलान नहीं है। वीतनअ एवं Ritika की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वास की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।



मेलापक फलित

स्वभाव

वीतनअ की जन्म राशि जलतत्व युक्त मीन तथा Ritika की राशि वायु तत्व युक्त तुला है। जल एवं वायु तत्व के प्रभाव से इनके मध्य स्वभावगत असमानताएं विद्यमान होंगी जिससे संबंधों में तनाव रहेगा। अतः यह मिलान विशेष अनुकूल नहीं होगा।

वीतनअ की जन्म राशि का स्वामी बृहस्पति तथा Ritika की राशि का स्वामी शुक परस्पर सम एवं शत्रु राशियों में स्थित है। सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति विशेष अनुकूल नहीं रहेगी इसके प्रभाव से परस्पर संबंधों में कटुता का भाव रहेगा। एक दूसरे के प्रति प्रेम सहानुभूति एवं सहयोग भी अल्प ही होगा जिससे वैवाहिक जीवन में सुख शांति की अल्पता रहेगी। साथ ही सुख दुःख में एक दूसरे को अल्प मात्रा में ही सहयोग प्रदान करेंगे तथा सदगुणों की उपेक्षा करके कमियों पर विशेष ध्यान देंगे। अतः ऐसी प्रवृत्तियों की इनको यत्न पूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

वीतनअ और Ritika की राशियां परस्पर अष्टम एवं षष्ठ भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। अतः इनके प्रभाव से उपरोक्त प्रभावों में और भी वृद्धि होगी जिससे संबंधों में अविश्वास तथा स्वार्थ का भाव उत्पन्न होगा तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम तथा सदभावना में न्यूनता रहेगी। इसके अतिरिक्त एक दूसरे से श्रेष्ठ समझने की भी प्रवृत्ति विद्यमान रहेगी। अतः सोच समझकर आपस में कार्य कलाप करने चाहिए।

वीतनअ का वश्य जलचर तथा Ritika का वश्य मानव है। जलचर एवं मानव में नैसर्गिक विषमता होने के कारण वीतनअ और Ritika की अभिरूचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी असमानता होगी। जिससे दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ होंगे।

वीतनअ का वर्ण ब्राह्मण तथा Ritika का वर्ण शूद्र है। अतः इनकी कार्य क्षमताओं में भी असमानता होगी। Ritika की प्रवृत्ति धार्मिक एवं शैक्षणिक कार्यों में रहेगी जबकि Ritika की प्रवृत्ति किसी भी कार्य को ईमानदारी तथा परिश्रम पूर्वक करने की होगी। अतः यदा कदा मतभेदों की भी संभावना रहेगी।

धन

वीतनअ और Ritika दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

वीतनअ तथा Ritika दोनों की ही अन्त्य नाड़ी है। अतः दोनों नाड़ी दोष से पीड़ित रहेंगे इसके प्रभाव से इनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक अस्वस्थता के कारण सांसारिक महत्व के कार्यों को करने में परेशानी की अनुभूति होगी। इससे Ritika को गले से संबन्धित कोई परेशानी हो सकती है तथा कफ या वात संबंधी कष्ट का भी सामना करना पड़ेगा। लेकिन मंगल का इन पर कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं रहेगा। अतः रोग की गंभीरता से बचाव रहेगा लेकिन समय समय पर न्यूनाधिक कष्ट की इन्हें अनुभूति होती रहेगी। इसके अतिरिक्त Ritika को यदा कदा यौन संबंधी गुप्त रोगों का भी सामना करना पड़ सकता है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान अच्छा नहीं रहेगा जिससे इसकी यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से वीतनअ और Ritika का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त वीतनअ और Ritika के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ritika के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ritika को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ritika को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से वीतनअ और Ritika सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार वीतनअ और Ritika का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ritika के अपनी सास के साथ संबंधों में मधुरता रहेगी तथा इनके मध्य परस्पर सामंजस्य भी रहेगा। साथ ही सास से Ritika को कभी भी कोई परेशानी या समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। Ritika भी उनकी सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा सेवा करने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुर पक्ष से Ritika को यदा कदा अनावश्यक समस्याओं तथा परेशानियों का सामना करना पड़ेगा एवं वे सन्तुष्ट तथा प्रसन्न अल्प मात्रा में ही रहेंगे। तथापि उनका हृदय जीतने के लिए Ritika उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी एवं परस्पर सामंजस्य स्थापित करने के लिए भी तत्पर रहेंगी। साथ ही देवर एवं ननदों से भी Ritika के मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की भी न्यूनता रहेगी। इसके अतिरिक्त परस्पर प्रतिद्वन्दिता तथा आलोचना का भाव रहेगा।

सामान्य रूप से सास ससुर का Ritika के प्रति अनुकूल दृष्टिकोण रहेगा तथा परिवार में उसकी महता को स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

वीतनअ की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर वीतनअ सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन वीतनअ ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का वीतनअ के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।

लग्न फल

Dhruv

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदय काल, मकर नवमांश एवं मीन द्रेष्टकाण के उदय काल में हुआ था। आपका जन्म प्रभाव यह सुनिश्चित करता है कि आपकी जो पहुँच है वह आपको जीवन में सफलता प्रदान करेगा। "विश्वसनीयता एक अच्छी नीति है" इस भावनाओं से युक्त होकर, अपने प्रस्तावित कार्य सम्पादन कला के अनुरूप निश्चय ही आप अपने उद्देश्य की सफलता तक पहुँच सकते हैं।

आप अत्यधिक स्वार्थी प्राणी है। आप दूसरों को प्रलोभन देकर, आप अपनी बांछित अभिलाषा एवं महत्वकांक्षा की पूर्ति हेतु अग्रसर होकर सब को पीछे छोड़ सकते हो। यदि आपको लाभ प्राप्त करना है तो मात्र आप अपने व्यवसाय अथवा व्यवसायिक संगठन का ही नहीं अपितु अपने पारिवारिक सदस्यों को भी हस्तानान्तरित कर सकते हैं। उत्तम तो यह है कि आप सतर्कतापूर्वक अग्रसर हों तथा अविश्वसनीयता के कारण कलंकित न हो।

कर्क राशीय प्रभाव से आप निःसंदेह प्रतिभावान प्राणी हैं। आप तुच्छ से महानता की ओर अग्रसर होकर उत्तम एवं आरामदायक जीवन बिताएंगे।

आपमें आवश्यक हानि विद्यमान है तथा आपकी ऐसी क्षमता है कि आप अपने विचारों को अन्य व्यक्तियों को सूचित एवं सम्पर्क स्थापित कर सकते हैं। आप एक प्रतिउत्पन्नमति बुद्धि के विनोद प्रिय व्यक्ति हैं तथा अपमें मन भावन विलक्षणता है तथा आप संवादपटु अर्थात् सभी समाचारों से अवगत रहने वाले हैं। इस सम्पूर्णता युक्त गुणों के प्रभाव से आप उन्नति प्राप्ति हेतु सकारात्मक गुणों के व्यवहार से अपने जीवन में उच्चस्तरीय उन्नति प्राप्त करेंगे। समग्ररूप से संकल्पित होने की शक्ति आपके सर्वांग में निहित है तथा आप कठिन श्रम कर अपने स्पष्ट मार्ग पर चलते रहेंगे।

यदि आप अपनी कठोरतापूर्ण जिद्दीपन करना छोड़ दे तथा अति नमनशीलतापूर्ण मुद्रा ग्रहण करें तो आपके बहुत मित्र हो जाएंगे तथा आपके कार्यों को धीरे-धीरे प्रस्तावित करेंगे। आपको सर्वथा उत्तेजनात्मक पदार्थ मद्यपान का त्याग करना पड़ेगा। पश्चात् आप ऐसी आशा कर सकते हैं कि आप धन सम्पत्ति प्राप्त कर विशेष तथा जीवन के 34 वें वर्ष से सुखद एवं प्रसन्नतम जीवन-व्यतीत करेंगे।

आपको पारिवारिक एकता एवं प्रसन्नता हेतु आपने को नियंत्रित रखना जीवन का आवश्यक दायित्व है।

आपको श्रेष्ठतम एवं अनुकूल जीवन व्यतीत करने के लिए अच्छी पत्नी एवं विवेकशील सन्तान ही शेष अपने जीवन को महानतम एवं विश्वसनीय प्रमाणित कर सकेगा। आप अपनी अति हठ धर्मिता जैसी प्रवृत्ति में बदलाव लाकर अपनी कमजोरी को त्याग कर उनके साथ स्वाभाविक संबंध कायम रख सकते हैं। आप निश्चयपूर्वक अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति को

नियंत्रित करे तथा अपनी आध्यात्मिक प्रवृत्ति का विस्तार करें। जो आपके शेष जीवन व्यतीत करने में सहायक सिद्ध होगा।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। परन्तु यह संभव है कि कुछ वर्षों के पश्चात् आप हिस्ट्रीया, पीलिया रोग एवं पेट संबंधी गड़बड़ी जैसे रोगों से आक्रान्त हो सकते हैं। यदि आप अपने जीवन में थोड़ी भी उदासीनता नहीं चाहते हैं। इसीलिए भविष्य काल की आरोग्यता हेतु, आपको सतर्कता पूर्वक जीवन पथ पर चलना चाहिए।

आपकी मनोवृत्ति के अनुसार आपके लिए अनुकूल कार्य/व्यवसायों में ट्रेवल्स ऐजेंसी, भ्रमणशील निर्देशक (गाईड) विक्रय प्रतिनिधि तथा इस प्रकार के कार्यों से संबंधित रुचिकर व्यवसाय आदि उत्तम रहेगा।

आप में ऐसी गुणवत्ता विद्यमान है कि आप अपनी तेजस्विता के प्रभाव से जनसम्पर्क एवं बातचीत कर सिद्धहस्त हो सकते होंगे।

आपका भाग्यशाली रंग लाल, पीला, क्रीम रंग एवं सफेद रंग है। आपको नीला एवं हरे रंग का सर्वथा त्याग करनी चाहिए।

आपके लिए अनुकूल अंक 4 एवं 6 अंक है। अंक 3 एवं 5 अंक ये आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नहीं होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

Ritika

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा की भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहती हैं। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरुचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृत्ति की प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रुचिवान हैं। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगी यह आप ही जानती हैं।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान की ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करती हैं। आप कुशाग्रबुद्धि की प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखती।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृत्ति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए की नीति अपनाती हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरुचि रहती है क्योंकि आप स्वार्थी प्राणी हैं। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपनी व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकती हैं। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करती हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकती हैं। आप अपनी तामसी प्रवृत्ति का त्याग कर अथवा अवरुद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगी।

आप औसतन लम्बी छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकती हैं और आप बेढंगी चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करती रही तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगी तथा आप असामान्य दिखने लगेंगी। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगी। आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योंकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकती हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नहीं होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।

अंक ज्योतिष फल

Dhruv

आपका जन्म दिनांक 26 है। दो और छः के योग से आपका मूलांक आठ होता है। मूलांक 8 का स्वामी शनि ग्रह है। अंक दो का चन्द्र तथा अंक छः का शुक्र है। अतः आपके जीवन में अंक दो, छः एवं आठ के स्वामी ग्रह चन्द्र, शुक्र एवं शनि का विशेष प्रभाव दृष्टिगोचर होगा।

मूलांक 8 के स्वामी शनि ग्रह के प्रभाव से आपकी उन्नति धीरे-धीरे होगी। आपके प्रत्येक कार्य में रुकावटें अवश्य आयेंगी। लेकिन आप इनसे बिना विचलित हुए अपनी सफलता का मार्ग स्वयं के कठिन परिश्रम तथा बुद्धि विवेक एवं ज्ञान के द्वारा प्राप्त करेंगे। आलस्य आपके अन्दर अवगुण के रूप में रहेगा। इसी कारण कई बार आप सफलता प्राप्त करते-करते ऐसी चूक कर देंगे जिसका बाद में पछतावा होगा। शनिग्रह के प्रभाव से आप अपने जीवन में कई महत्वपूर्ण एवं स्थायी उपलब्धियां अर्जित करेंगे। जिससे आपका सामाजिक स्तर ऊँचा होगा और आपको समाज में नाम, यश तथा कीर्ति प्राप्त होगी। आपके कार्य करने का ढंग कुछ इस प्रकार का रहेगा कि आप अपने विरोधी, आलोचक स्वयं तैयार करेंगे।

आप दिखावा पसन्द नहीं करेंगे। इससे आपको रूखा, शुष्क एवं कठोर हृदय व्यक्ति समझा जायेगा। जबकि आप अन्दर से भावुक एवं दयालु हृदय के होंगे। आपकी रुचि अपने काम तक ही सीमित रहेगी एवं कठिन से कठिन कार्य को भी आप अंजाम देने की क्षमता रखेंगे। इससे आपके सहयोगी आपके आलोचक बन जायेंगे। आप श्रमशील, त्यागी व्यक्ति के रूप में जाने जायेंगे एवं आपकी प्रगति में आने वाली रुकावटों को आप आपनी इच्छा शक्ति के बलबूते दूर करने में सफल रहेंगे।

अंक दो का स्वामी चन्द्र आपको विभिन्न क्षेत्रों में असफलता देगा लेकिन अंक छः का स्वामी शुक्र आपके अन्दर कलात्मक भाव की वृद्धि करेगा जो कि आपकी कार्य शैली में दृष्टिगोचर होगा।

Ritika

आपका जन्म दिनांक चार होने से अंक ज्योतिष के आधार पर आपका मूलांक चार होता है। इसका स्वामी भारतीय मतानुसार राहू एवं पाश्चात्य मतानुसार हर्षल को माना गया है। मूलांक चार के प्रभाववश आप अपने जीवन में सहसा एवं आश्चर्यजनक प्रगति प्राप्त करेंगी। आपके जीवन में कई असंभावित घटनायें भी घटेंगी। एकाध घटनायें ऐसी भी घटित होंगी जो कि आपका कैरियर बदल देंगी। आप एक संघर्षशील महिला के रूप में जानी जायेंगी तथा आपकी विचार धारा भी आम धारणा से प्रायः अलग होगी। जमाने से आप काफी आगे की सोच रखेंगी तथा अपना विरोध प्रकट करने की आदत के कारण आप अपने आलोचक स्वयं तैयार करेंगी।

पुरानी प्रथाओं, रीतियों की विरोधी रहेंगी तथा उनमें सुधार करने की पूरी कोशिश

करेंगी। आप अपने कार्यक्षेत्र में पुरानी प्रथाओं को नवीन रूप में ढालने की भी कोशिश करेंगी। अपने जीवन में आप धन संग्रह अधिक नहीं कर पायेंगी लेकिन नाम, यश अधिक प्राप्त करेंगी। समाज में आमूल-चूल परिवर्तन देखना आपका स्वभाव रहेगा। यदि आप अपनी संघर्ष करने की प्रवृत्ति पर अंकुश रखकर सहनशील तथा सहिष्णु बन सकें और शत्रुता कम पैदा करेंगी तो अपने जीवन में अधिक सफलता अर्जित करेंगी।

आपकी विचार धारा सुधार वाली होने से आप समाज में अच्छी ख्याति प्राप्त करेंगी। लेकिन यह ख्याति स्थिर नहीं रहेगी कभी तो उच्चता के शिखर पर होगी और कभी मन्द। अतः आपको निरन्तर कार्य में लगे रहना पड़ेगा और नये-नये परिवर्तन, अज्ञविष्कारों द्वारा अपना नाम रोशन करते रहना होगा। स्वास्थ्य आपका साधारणतः उत्तम रहेगा, लेकिन कभी-कभी अत्यधिक श्रम एवं मानसिक थकान के कारण सिरदर्द, गर्मी से उत्पन्न रोग, मानसिक तनाव आदि का सामना करना पड़ेगा।

Dhruv

भाग्यांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह होने से आपका भाग्योदय स्व-बुद्धि विवेक द्वारा होगा। बुध वाणिज्य, व्यावसायिक कला का दाता है। गणित, लेखन, शिल्प, चिकित्सा, लेखा कार्यों में अच्छी प्रगति प्रदान करेगा। आपके अन्दर व्यापारिक कला अच्छी विकसित होगी। वाक् पटुता, तर्कशक्ति, बहुत बोलने की आदत रहेगी। आप रोजगार के क्षेत्र में नित नई स्कीम बनायेंगे जो आपकी तरक्की का मार्ग प्रशस्त करेंगी। वाणिज्य कला में आप काफी निपुण रहेंगे एवं रोजमर्रा के कार्यों को फुर्ती से पूर्ण करेंगे। दूसरों से कार्य निकलवाने में आप निपुण रहेंगे।

आपकी व्यवसायिक बुद्धि होने से धन संग्रह की ओर आप अधिक आकृष्ट रहेंगे एवं आवश्यकतानुसार वक्त-वे-वक्त के लिए धन एकत्रित करेंगे। आर्थिक क्षेत्र में आपकी स्थिति मध्यमोत्तम श्रेणी की रहेगी। कानून का आपको ठीक ज्ञान रहने से आप कार्यक्षेत्र में सभी कार्यों को बखूबी निभायेंगे तथा सामने वाले आपके ज्ञान के आगे नत-मस्तक होंगे।

Ritika

भाग्यांक चार का स्वामी भारतीय मतानुसार राहु एवं पाश्चात्य मत से हर्षल ग्रह को माना गया है। हर्षलग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय अचानक होगा। आपके जीवन में कई कार्य ऐसे होंगे जिनमें अथक परिश्रम के बाद चाही गई अवधि में सफलता न मिले और कार्य रुक जायें। लेकिन एक दिन अचानक ही ऐसे कार्य बन भी जाया करेंगे। आप अपने कार्यक्षेत्र में परिवर्तन की हिमायती होंगी एवं पुरानी मान्यताओं में परिवर्तन करते रहना आपकी आदत में शुमार होगा। आप रूढ़ि वादिता से थोड़ी दूर तथा आधुनिक होंगी।

ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा एवं ऐसे कार्यों को संपादन करने में आनन्द आयेगा जिन्हें अन्य जन दुष्कर समझेंगे। आपके कार्यों में विस्फोटकता रहेगी तथा आप अचानक चर्चित होंगी। लेकिन यह स्थायित्व नहीं ले सकेगा। बार-बार का परिवर्तन आपकी उन्नति में बाधक रहेगा। अचानक सफलता या असफलता से आपको सबक लेना होगा कि

भाग्य आपका परिवर्तनशील है। अतः आपको अधिक विस्फोटक, जोखिम युक्त कार्यों से दूर रहना या सोच-समझकर कार्य करना भाग्य वृद्धि कारक रहेगा।

